- शोध संस्थान

❀ श्री ❀

सियारामचरणचन्द्रिका

जिसको

सिद्धिश्री ५ महाराजाधिराज सूर्यवंसावतंस
श्रीमान महाराज रामचन्द्र अयोध्यापति हेत
वे कविराज लछिराम अवधनिवासी नें
रचना कर

सेठ छोटेलाल लक्ष्मीचन्द

बम्बई

बुक्सेलर अयोध्या जिला फैज़ाबाद
द्वारा मुद्रितकराकर प्रकाशित किया

Printed at the Jain Press
LUCKNOW
March 1898

केन्द्रीय अभिलेखीय शोध संस्थान
16749
श्री मणिराम दास

॥ श्री गणेशायनमः ॥

* सियारामचरणचन्द्रिका *

* मंगल दोहा *

गुरगणपतिगिरजारमन, सारदसुअनसमीर।
चरणचंद्रिकारामसियदि, अबरदानगंभीर। १।

मालाकारंगगनखआनदअभंगसंग तरवा
सुरंगसुभसारदाकीलालीमै । लछिरामस्याम
ताईमरकतभूषनत्यौं जगमगैजमुनातरंगनव
हालीमै ॥ जारजपरासिभालचौदहोभुअन

लालचारयौजुगपरबअछैवटप्रणालीमै । चा-
रयौफलधामरामचन्द्रमैथिलीकेचारु चारयौ
चरणाम्बुजप्रयागपरमालीमै ॥ आनदअपार
अवतार श्रीअवधअंसअवतंसमथुरा अमंति
काउजासीमै । राजसिरीद्वारिकाप्रतापकलकां
चीउदैविरदबितानवरदानसिद्धिकासीमै ॥ ल
छिरामजगदीसनगरीछलकछबि चौदहोरतन
झरवारिदमवासीमै । रावरामचन्द्रमैथिली
केचरणाम्बुज पैसातो पुरीपरमापरमपर्वरासी
मै ॥ २ ॥ पूरितप्रवाहरासिअमृतसुरूपसु-
भनागनरदेवग्राहमकरगहरहै । लछिराम
कपिलकुतूहलप्रतापसौहैंसंगमीजुगलजमजा
लपैजहरहै ॥ महिमाअपारभूमिभूखनरतन
हारसंतमलैपातखपहारपैकहरहै । रामचंद्र
मैथिलीचरनपरमालीपरपरवअभंगगंगसाग
रलहरहै ॥ ३ ॥ लालीतरवानतेजतरानिगो-
राईसंगछाहैंरंगस्यामराहुसंगमीगरबहै। ला
रामलहरैंसुरूप सुरवरसुधासनखमुकुतजोग

सोभनसरबहै॥ चौदहौभुम्अनचारुचौदहोरत नफलदानदिनअरबसुमेरकीदरबहै । राम रघुबीरमैथिलीके चरणांबुजपै वारहोमहीनेकु रुखेतकीपरवहै ॥ ४ ॥ असुरअरातिनकी छातीकेबजरमानिविरदवितान हिवगारतैरह तिहै । लछिरामसांझभोरलालीप्रतिविम्बन मेंनखनखतावलीनिहारतैरहातिहैं ॥ सारदस बीनसुरसंगमीसमुदगानचारुचौकरतनसवा- रतैरहातिहैं । रावरामचन्द्रमैथिलीकेचरणां बुजकीआरतीदिगँगनाउतारतैरहतिहैं ॥५॥

❀ सवैया ❀

श्रीरघुवीरसिंहासनसंगमीजोतिजगैंरतना वलीसाजैं । पूजतीदेवअदेववधूलछिरामअ- भैकरसन्तसमाजैं ॥ सम्भुसतीवरदानीप्रता- पदसौंदिसिदानकीदुन्दुभीबाजैं । मैथिलीके चरणाम्बुजकीरजमौलिसिरीमहीमंडलराजैं । ॥ ६ ॥ पन्नगीनौलनगीनरीकीलटैंलोटैंनखा

वलीसंगसचीहै । त्योंरघुवीरकेलोचनकील-
छिरामसप्रीतिप्रतीतिरचीहै ॥ वेदनचारयौवि
रंचिबिचारि प्रचारमेंतीन्यो लकीरखचीहै ॥
मैथिलीकेचरणाम्बुजकीचरचाबरचौदहोलो-
कमचीहै ॥ ७ ॥ संतनसारदाकीलहरैंतनबै-
रिनदाहदवानलज्वाली। बंदनभालविसालदि
गंगनादिग्गजमौलिगरूरगुलाली ॥ सातऊ
दीपमहातमहेतउदैलछिरामप्रभाकरलाली ।
रामप्रतापप्रभालौंप्रभाकर मैथिलीकेपदकंज-
कीलाली ॥ ८ ॥ भालबिसालबसीदिगपाल
दिगंगनादेबिनरावलीचूमैं । सारदगौरिसची
तरवानकीलालीसराहिमचावतींधूमैं ॥ सि-
द्धिसुरासुरसंतव्रती लछिरामजतीजाप्रभावमें
भूमैं । मैथिलीकेचरणाम्बुजकीरजभूखनयों
चरचामचीभूमैं ॥९॥ सारदसोहैंबजावतीबी
नादिवंगनाफूलनकोबरसावैं । मंत्रप्रचारैंचतु
र्मुखवेदनसाहिबीकीबिरदावलीछावैं ॥ मैथि-
लीकेचरणाम्बुजकीमहिमाकोकहालछिरामग

नावैं । मानवीभानवीभावरैंदेतादिगंगनादा नवीकीरतिगावैं ॥ १० ॥

* बरवै *

सीतासीताबरपदकंजपराग । मनहुंअवत रितआनदबनअनुराग ॥ ११ ॥ रामसिया चरणाम्बुजमंगलमूल । संतसुरासुरदीननवि दरतसूल ॥ १२ ॥ रामसिआचरणाम्बुज तीरथराज । देतअभैबरचौजुगसन्तसमाज ॥ १३ ॥ श्रीसिआबरपदपंकजत्रिभुअनप्रान ॥ सिलासुंदरीकरबराबिरदावितान ॥ १४ ॥ वंदेपदअराबिंदंकौसलराम । सन्तसुरासुरस-ज्जनपरमाधाम ॥ १५ ॥

❀ कवित्त ❀

भोरसाझध्यानमेंसुरूपउदयाचलह्वैअन्ध-कारभारहियछारतैरहातिहैं । असुरअरातिन करेजेमरदनहेरिअभैवरअचलपसारतैरहाति-

हैं ॥ लछिरामलालितदिगंगनादिगंतनमैपर
मापतापहिसवारतैरहातिहैं।रामचन्द्रमैथिलीके
चाखौचरणाम्बुजकी भारतीलौआरतीउतार
तैरहतिहैं॥ १ ॥ मालाकारनखसुमनावलीसु-
रंगस्वेतभूखनाविहंगकोकिलालीकिलकन्तसे।
लछिरामलालितसरेखैंछत्रपाल भूमिमलयस-
मीरगौनपाबड़ेसुमन्तसे ॥ परिमलसंगमप-
रागअनुरागनमैनागनरदेवमुनिभ्रमरलसन्त
से । रावरामचंद्रमैथिलीकेचरणाम्बुजपैवार-
होमहीनेकुसमाकरबसन्तसे॥ २॥ भरतलख-
नसत्रुहन स्योमयूरमंजुहनूमान बानरवलाक
दरसाकरैं । लछिरामेरखैंमंगलीकसुरपालधनु
इंद्रबधूलालीतरवानसरसाकरैं ॥ रामचन्द्रमै
थिलीकेचरणसविज्जुधनपातखपहाराहिजवा-
सैझरसाकरैं । बरदानवारिचरुचौदहोभुअन
परसबदिनसावनीघटासेबरसाकरैं ॥ ३ ॥
नागनरदेवचंद्रभानउड़गनवृन्दअसुरपै वि-
ज्जुविकरालीघोरघनमैं । लछिरामसंतसुरस-

ञ्जनमुकुतहारपातखपछारनप्रनाली पूलैप्रन
मैंरावरामचंद्रचरणागुलीनखनजैसीपरमाप्र-
चारचारुचारिहूजुगनमैं । चिन्तामणिगनमैंन
चारयोफलवनमैंनचौदहो भुअनमैंनचौदहो
रतनमैं ॥ ४ ॥ जुगलसुरंगजोगबलकेकला
सेतलभूषनभुअनसारदाकेअवतारमैं । लछि
रामनखनबहालीमंजुमोतीलरतरलतरंगैंगंग
अमृतअगारमैं ॥ रावरामचन्द्रमैथिलीकेच-
रणाम्बुजपैवैरहीप्रभाजोदानकीरतिप्रचारमैं ।
विज्जुधनभारमैंनासिंधुवारपारमैंनरतनअपार
मैंनपारसपहारमैं ॥ ५ ॥

* सवैया *

सिद्धिसुरासुरसम्भुसुरेससमाधिमैंजामहि-
माकोप्रचारैं । त्योंलछिरामउदारतपैरतनाक
रवारिदमंदविचारैं ॥ सुन्दरीसातहूदीपनथार
द्विगंगनादेविसचीउपहारैं । जानकीजीवनके
पदकजप्रभारतीपैजगभारतीवारैं ॥ ६ ॥ सारद

गौरिगिरीसगणेशसराहैसुरासुरजाकीकताहै॥ यौंलछिरामजुगाजुगमैंफलचाख्योंफलैंधराधीरमताहै ॥ पूरेपुरातनहूपरमानकैवेदपुरानमैं पूरीपता है ॥ जानकीजानकीजीवनकेचरणाम्बुजकीरजकल्पलताहै ॥ ७ ॥ श्रीमिथिलाकलकौसलभूमाणिमंचसिंहासनभूखनभारहैं ॥ यौंलछिराममुनीसमहेश्वरहीरेहरासुभसीरेशृंगारहैं ॥ राघवनैनमलिंदाहितूसरसैंसुभसौरभरासिअपारहैं ॥ मैथिलीकेचरणाम्बुजसाँचेसुरूपसरोवरकेअवतारहैं ॥ ८ ॥ मंजुमहावरलालिमासौंहैंप्रभाकरलालिमामंदविचारों ॥ यौंलछिरामनखावलीपैनखतावलीवृंदनदूरिबिडारों ॥ भूखनभारप्रकासप्रचारसवैकिरनैरजवीचबगारों ॥ मैथिलीकेपदपंकजकीपरभापरचन्द्रमासूरजवारों ॥ ॥ ९ ॥ श्रीरघुनाथकेलोचनभौंरदिगंगनाभावरैंदेतीभराभर ॥ त्यौंलछिरामसुरेसगणेशगनेगुणवानीबिरंचिहराहर ॥ मैथि-

लोकेचरणाम्बुजपैअभिरामअभै वरदानीस-
रासर ॥ वोहितहैंभवसागरकेकल्पद्रुमचौद
होलोकधरापर ॥ १० ॥

❀ वरवै ❀

वंदौवर चरणाम्बुजश्रीरघुनाथ ॥ मनहुर-
च्योमकरध्वजमंगलगाथ ॥ १ ॥ वंदौवर
चरणाम्बुजरामनरेस ॥ दीनवंधुवरदानीपा-
रसदेस ॥ २ ॥ चरणाम्बुजसीतावरचौदह
लोक ॥ देवसंतकल्पद्रुमविदरतसोक ॥ ३ ॥
वंदेयदजलजातंपावनराम ॥ गंगसोहावन
जानखजगजनकाम ॥ ४ ॥ चरणाम्बुजसी
तापवरवोहितचार । भवसागरहितकारीअ
धमनभार॥ ५ ॥ चरणाम्बुजसीतावरमोहित
वानभवसागरहितकारीअधमनभान ॥ ६ ॥

❀ कवित्त ❀

मंडितकरनचारुचौदहो भुवनरूपअसुरअरा-
तिनदलनविकरारमैं । देवदिगपालराजवंस

नाविसालभालजातलपरागछत्रपालीकेपसार
मैं ॥ रावरामचन्द्रचरणांगुलीनखनपरपरमा
उदैजोपरमानंदबहारमैं । चिन्तामणिचारमैं
नचंद्रिकाप्रचारमैनपारिजातहार मैनहीरकप-
हारमैं ॥ १ ॥ जोगभोगतीरथतपोबलप्रता
परासिनखनप्रभालीत्योंदुबीचिश्रैफरतिहैं ।
अन्धकारभारघोरपातकपहारभूमि लालिमा
प्रचारछारबीचिश्रैकरतिहैं ॥ लछिरामचार्यौ
फलचौदहोरतनरासिचारयोजुगअचलअवी
चिश्रैअरतिहैं । रावरामचंद्रमैथिलीकेचरणा
म्बुजपैआठौसिद्धिनौनिधिउलीचिश्रैपरति हैं
॥ २ ॥ असुरकरेजेकोविदारतोविरदछाय
ज्वालीजंगजोरदलदारुनदुश्रनमैं । संतमुनि
मानसमलैजमहामंगलसेसीरेकोपरागपरछा-
हींकीछुश्रनमैं ॥ लछिरामरावरामचंद्रमैथि-
लीकेचारुजागभीरपैजपौंचतुर्मुखसुश्रनमैं ॥
पातकपहारभारमाहियोंमसाकिजाती होतेजौ
नचार्यौचरणाम्बुजभुश्रनमैं ॥ ३ ॥ ला

लीतरवानकीलहर सारदालोंभूमिसंगमीप्र-
तापत्योंप्रभाकरपरनमैं । लछिरामगजरथ
पालकीनरिन्द्रमौलि असुरअरातिनकीछाती
कैतरनमैं ॥ रावरामचंद्रमैथिलीकेचरणाम्बु-
जपैबैरहीप्रभाजोनौलनखआचरनमैं । चंद्र-
माकरनमैनवीजुरीबरनमैन गंगआवरनमैन
मोतीकेलरनमैं ॥ ४ ॥ जानखनछाहमैतरं-
गितत्रिलोकगंग पावनपरवरासिवारिसुभस
त्ताके । लछिरामआगुरीसिलानसुंदरीनकरत
रवासुरंगरंगवालरबीरत्ताके ॥ हीरेकैरंसीरेसं-
तनागनरदेवबंसकचैरंकरेजेवैरिछेमछितिछ-
त्ताके । चारयोंफलफेटेचरणाम्बुजप्रकासमान
ऐसेअभिरामरामकौशलचकत्ताके ॥ ५ ॥

* सवैया *

सुंदरीसातहूदीपसुजारजभालविसालसवा
रैंसमाहैं।सारदनारदजाजसगायअशीशैजुगा
जुगजोगजमाहैं॥कलपलताकलिकामनाकेल-

छिरामश्रीरामहियेअरमौहैं। मैथिलीकेचरणा-
म्बुजपैवसींचौदहोलोकनकीपरमौहैं। १।लाली
महावरकीमणिमंचनमंदकरैंसमसूरजवेखैं।आं
गुरीचंपकलीलोविलासमैंभूषनभागभरैंसवि-
सेखैं॥ त्योंपरमाचरणाम्बुजकीलाछिरामप्रका
समईपरिवेखै। मंगलरासिविथोरैंमहीमुदमै
थिलीकेतरवानकीरेखैं॥ ७॥ सिद्धिसमाधिमै
ध्यानधरेमुनिमंडलीजाहिजपैमतवाली। संक
रसारदागौरिगणेशसुरेसऊसाधनजापरमाली
कामनासंतअनन्तउदैलछिरामअसन्तनकेउ-
रसाली। जोगप्रतापकीरासिजुगाजुगमैथि
लीकेपदकंजकीलाली॥ ८॥ वेदकेमंत्र
चतुर्मुखयौंमखमंगलीकोटिसुरेसकीसार्षै। सि
द्धिसुरासुरजोगीजती व्रतीश्रीरघुनाथप्रभाव
सभाषै॥ अर्वसुमेरप्रदानीकुवेरउदैलछिराम
सबैअभिलाखैं। जानकीजीवनकेपदकंजकी
तौमहिमाकछूसारदाभाखैं॥ ९॥ जारज
श्रीदिगपाल नभालपैलालिमासंपतिमैसमुदै

रहैं । जानखनौलछटाकरगंगत्रिलोकअभंग प्रभाप्रमुदैरहैं ॥ जातलएंडिनकीलछिराम धरापरजोतिबिसालषुदैरहैं । जानकीजानकी जीवनकेचरणाम्बुजपैजुगचारयौंउदैरहैं १०॥

* बरवै *

रामचन्द्रचरणाम्बुजमनकरुध्यान । जाज सवरणातसंकरसुरपतिभान ॥ ११ ॥ राम चन्द्रचरणाम्बुजरजधरभाल । ध्यानहुसंप-तिसुखमाभरतविसाल ॥ १२ ॥ बंदेपद अरबिंदरामनरेस । जाप्रभावपरमानतगौ रिमहेश ॥ १३ ॥ मंगलमयचरनाम्बुजासिय रघुनाथ । नमितजासुनखरजपरसुरपतिमा-थ ॥ १४ ॥ रामसिआचरणाम्बुजधनबन माल। चरणामृतकनझरसोंकरतनिहाल १५

* कवित्त *

लालीभरे तरवापरमपरमालीसंगप्रतिबिंब

जासुनवरंगगुललालासे । लछिरामनखन
कीकौधौंसुभसीरी स्वच्छपरखेप्रतच्छजोतिल-
च्छवरसालासे ॥ अवतंसआलेदीनबंसनपै
दीनबंधुनागनरदेवभालरतनविसालासे ॥
चाखौंजुगरावरामचन्द्रमैथिलीकेचारुचारयौं
चरणाम्बुजकलपतरमालासे ॥ १ ॥ अंचल
पसारिसुरभानसोअभैवरलै कौधैंनखपूतरीदु
बीचतैंरहातिहैं । लछिरामलालितपरागअनु-
रागनमैपलकैंदगनछटाखींचतैंरहातिहैं ॥ राव
रामचन्द्रमैथिलीकेचरणाम्बुज मरीचिनसक-
लअंगसीचतैंरहातिहैं । वारनेमैसातौदीपसुं-
दरीरतनथारभरिभरिअंजुली उलीचतैंरहति
हैं ॥ २ ॥ जारजदिगीसनकेसीस
नप्रकासमान भासमानसानअंधकारअधरम
के । लछिरामजाकीमंजुमहिमामहीमैंफैलीफे
टेफलचारयौंमेटैअंकअधरमके ॥ राम
रघुवीरमैथिलीकेपैचरणचारयौंफारैंफंदपलमै
भयंकरभरमके । साकरैंउवारनउधारन

अधमजगवोहितविसालभावसागरभरमके ॥ ॥ ३ ॥ लालीचारुतलकी प्रभालीप्रचलितऔरैउद्यतउदारतात्यौंउथपेनथापकी । नौलनखरंगैतरंगत्रिभुअनगंग फलकीफिरतकौधैंआनँदअतापकी ॥ लछिरामगजरथरतनसिंहासनपैवैरहीअतंकछारकरपापतापकी ॥ रावरामचंद्रचरणाम्बुजकीरेखैंभरैं भूमिसविसेषैंपरिवेखैंश्रीप्रतापकी॥ ४ ॥ आरतअनाथसंतसुरमुनिसातोदीपसुराभिसमीरैसुखसीरेई-परतहैं । लछिरामजारजादिगीससुरपालभालराजबंसभूषनसजीरेवितरतहैं ॥ रावरामचंद्रमैथिलीकेसुरवरपूजेअसुर अरातिनदरपविदरतहैं । पातषपहारतीनोतापत्रिभुअनभारचारयोंचरणाम्बुजजीरेमैजरतहैं ॥ ५ ॥

* सवैया *

संकरगौरिगिराबरदानि अगापरहीहैसचीसुभसीवैं । नारदसोहैंबजावतबीननत्योंसुर

सुंदरीसोभसनीवै ॥ सीरेपरैंद्दगरामलखैंलछि रामजतीचरणामृतपीवैं । जीवनचौदहोंलोक नकेचरणाम्वुजमैथिलीकेचिरजीवैं ॥ ६ ॥ देव वधूटीलवावरसैंपरीकिन्नरीमौजमेमंगलगावैं। त्योंलछिरामसचीसुभसारदाभालविसालपरा गलगावैं ॥ नागललीनरीदेविदिगंगनानेक प्रणामअभैवरपावैं । मैथिलीश्रीरघुनंदनके पदकंजप्रभाभरेपूजनआवैं ॥ ७ ॥ वारिजवि वबधूककहाकहायेडीमहावरतैअरुनारी। त्योंत रवाअँगुरीनखजोतिउदैलछिरामअभंगउज्या री ॥ पावड़ेपैचरणाम्बुजकौधैंफलीफलचरयों विरंचिसवारी । मैथिलीकेचरणाम्बुजकीचर चामचीचौदहोभूपरभारी ॥ ८ ॥ जीवनत्यों सुभसंतनकेवरदानिअआरतवंधुअनाथके।वै रिनभालथलीविकरालविदारयौं करैंबलमैब- जगाथके ॥ कामनाकेकलपद्रुमधामप्रभाल- छिराममहीपनमाथके । रागभरेअनुरागभरे जगभागभरेपगश्रीरघुनाथके ॥ ९ ॥ बैरज

नीमुषहेरतमंद खिलोनिशिबासरपैअरुनारे ।
जाचकवाकोअकेलईभौरतिहूँपुरजाचकपावत
वारे॥ पावड़ेश्रीमणिमंचनपैरघुनाथविलोचन
कोअतिप्यारे ॥ मैथिलीकेचरणाम्बुजसौंहैं
कहातुलैंअम्बुजऔरबिचारे ॥ १० ॥

॥ बरवै ॥

बंदेश्रीरघुनायकचरनसुरंग । पावनपरम
सुहावनजानखगंग ॥ १ ॥ शम्भुगौरिबरदा-
नीजगजनप्रान । रामचन्द्रपदपंकजपारसमा
न॥२॥रामचन्द्रचरणाम्बुजजीवनलोकादलन
महाखलमंडलहरजनसोक ॥ ३ ॥ सिअबर
चरणसरोरुहआनदमूल । संतनसबसुखदा-
यकअरिउरसूल ॥ ४ ॥ चरणाम्बुजसिअ
जूकेजीवनदेश । बिरदसराहतजानितगौरि
महेस ॥ ५ ॥

* कवित्त *

चिंतामणिपारसकलपतरुकामधेनुसागरसु-

मेरमिलेमौजकैरतनमै। लछिरामयैतोछनध्या
नमैंअभंगसुखदुरुखसवारतबिरदवरतनमै ॥
चिरंजीवैचारयौजुगरतनसिंहांसनपै चारयौ
फलवालीपरमालीरजकनमै । रावरामचन्द्र
मैथिलीकेचरणाम्बुजकीसमतानहेरोंसमतान
धनबनमै॥ १॥चारयौफलचौदहोरतनदानि
चारयौजुगधन विज्जुबेषबिरदालीअमरतैं ।
लछिरामसारदमहेश गौरिसारदेस वरनैप्रता
पपैजमंदरसमरतैं ॥ बोहितविसालभेंलैं
पातषभकोरैंपौन बूडतउबारैंभवसागरलहर
तैं । रावरामचन्द्रमैथिलीकेचरणाम्बुजकोसो
चमनमेरेऔरभौरामतिकरतैं ॥ २ ॥ सा-
खैंकपद्रुमकीलेखनी लालितकोटिअरबअचल
धनमसिहिबनावैतो । वजरंगबीरमैलैसागर
खरबनीर कागदभुअनपद्मभारतीबलावैतो
॥ मारकंडेलोमसबसिष्ठबालमीकव्यासल-
छिरामकलपकोटिविरदबतावैतो । चारयौजु-
गरावरामचन्द्र मैथिलीकेकछचारयाचरणा-

म्बुजगुणानवादगावैतो ॥ ३॥ गजरथरतन सिंहासनसवलछवि बैरीबनवगरजवासैझर-साकीहैं । सोहैंसंतमोरचारुचौदहोभुअनज-नदादुरकविंदबानीविरदकलाकीहैं ॥ धनवि ज्जुवरनअनंतआभरनभार लछिरामकोधैंन खजीगनवलाकीहैं । रामचन्द्रमैथिलीचरनतैं रतनवारिबारहोमहीनेयौंवहारबरखाकीहैं॥४॥ औढरढरनअसरनकेसरनपैज वेदओपुरानन मैंपूरनपताकेहैं । मणिमंचरतनसिंहानप्रका-समान भासमानलालीकीलहरपरमाकेहैं ॥ लछिरामरामचन्द्र मैथिलीचरनचारुदानादी-नबन्धुधनवीजुरीकताकेहैं । कलपकलपकरैं कल्पनासकलपूरीचारयोंपै अचलफलकलप लताकेहैं ॥ ५ ॥

❀ सवैया ❀

सातहूदीपनकीअवनीपर पैजप्रतापकीवे-लिवगारयो । तैसीपरागनकीपरमातिलका-

वलीदिगग्जदेवसवारयो ॥ कौसलकेउदया
चलमंचप्रभाकरलोंलछिरामप्रचारयो । मै-
थिलीश्रीरघुनाथकेचारु उदैंरहैंयैचरणाम्बुज
चारयो ॥ ६ ॥ साकरेदौरिउबारतहैंबनेवोहि
तयैभवासिन्धुअनीके । पावनजानषरंगतैगंग
प्रभावत्रिलोकनकीअवनीके ॥ आननजा
जसगानषुलेहैं सदालछिरामसहस्त्रफनीके ।
चारयौजुगाजुगचारुउदै चरणाम्बुजपारस
रामधनीके ॥ ७ ॥ भूखनभागपरागदिगंग
नाभालविशालमलाकरतीहैं । ध्यानमैंजात-
लकेलछिरामसबैदुखदेविदलाकरतीहैं ॥ सौ
हैंनरीपरीकिन्नरीत्योंविरदावलीवोलिहलाकर-
तीहैं। मैथिलीकेचरणाम्बुजपैसचीवैहरिभूमि
झलाकरतीहैं ॥ ८ ॥ साकरेमैंजनवंसउबारि
कैवारतपापपहारकसाले । पावनगंगप्रभा
नखतैंभरिसीरेकरैंसबलोकसभांले ॥ कामना
केलछिरामधनीहियेवैरिनकेनटसालसेसाले ।
श्रीरघुवीरकदंबजुगाजुग आलमकेअवलम्ब

हैंआले ॥ ९ ॥ मंत्रजपैसुरत्यैतिसौकोटिम-
हामषइंद्रकरोरिउमाहैं । मंगलसौहैंमहेसपढै
लछिरामअभैवरगौरिसमाहैं ॥ सारदाअर्वसु
मेरप्रदानकैवेदप्रचारैयहीअरमाहैं । मैथि-
लीकेचरणाम्बुजकी महिमातोकछूकविरंचिस
राहैं ॥ १० ॥

॥ बरवै ॥

रामचन्द्रचरणाम्बुजत्रिभुअनपाल । हर-
नजुगाजुगजनकेज्वरजमजाल ॥ १ ॥ श्री-
रघुबरचरणाम्बुजआनदकंद । ध्यानकरतज
नजीतैंजगजमफंद ॥ २ ॥ सिअचरणाम्बुज
गोरेसजमणिमंच । पारसचिंतामणिछविजा
रजरंच ॥ ३ ॥ रामचन्द्रचरणाम्बुजगजरथ
रास।वरसतनृपसिरहीरेमुकुटप्रकास॥४॥राम
चन्द्रपदपावनसावनमास । वरसतजनबन
अमृतअचलआवास ॥ ५ ॥ वैरीबंसवगर
नगरदहलतजंगकचरिकरेजेप्रलयानप्रनाली

मैं । लछिरामनारदगणेशगुणगणगावैंदरप दिगंतनदिगंगनाबहालीमैं ॥ पावनप्रकासमा नजानखतरंगगंगरामचन्द्रपदछिति छेमछत्र पालीमैं । प्रतिबिम्बचौदहोभुअनलहरायेरहैं रतनसिंहासनप्रमोदबनलाली ॥ १ ॥ श्री अवधरतनसिंहासप्रकासमानरौद्रबीरलाली भरेपूरेपारप्रनतैं । लछिरामसुंदरीसीलाक रजनकपूजेअसुरअरातिनकरेजेकचरनतैं । पातकपहारहेरिकादरपरैनयार भारवनहीपरहै गंगजानखनतै ॥ रावरामचन्द्रमैथिलीकेचर णाम्बुजयैअधमउधारनभरोसोराषमनतैं॥२॥ कौसलभुअनराजरतनसिंहासनपैअधमउधा रनप्रभावक्योंप्रचारैंगे।लछिरामतारिवेकोना- मतरवाहैयेड़ीअवतंसचौदहोभुअनक्योंसवां रैंगे ॥रावरामचन्द्रमैथिलीकेयैचरनकैसेदसौ अवतारकेविरदअवतारैंगे । साकरेउबारिहैं नवारिकविलम्बह्वैहै तारिहैंतौतारिहैंउतारिहैं तोतारैंगे ॥ ३ ॥ औढरढरनअसरनके

सरनसदै जुगाजुगभूपरप्रतापअवतारेको ॥ लछिरामजाकेपैजपावनपरवरासिन खनप्रभा वनतरंगगंगतारेको ॥ भालदेवादिग्गजविसा लभारभूखनतैंडरपैनधकाधूमअधमउधारेको ॥रामरघुबीरमैथिलीकेमौजलालीभरेभूलैतून चाख्योचरणाम्बुजसहारेको ॥ जातलपराग भागभरतचराचरपैपातकपछारैंचरणांमृतानि धरके । लछिरामनागनरदेवनकलपलताजा नखतरंगगंगतीन्योंलोकपूरके ॥ चारयोजुग चौदहोभुअनचारयोंफलरासिराज वंसमौलि मिलेहीरामोतीलरके ॥ भरमैनमनभवसागर भयंकरतैंअवलम्बआलमकदम्बरघुवरके ५॥

* सवैया *

मानतसंभुसुरासुरसिद्धिप्रसिद्धिप्रतापकीवे लिफरीहै । जारजसंपतिभूरिभरैकरैपातकभा रहिछारधरीहै ॥ कल्पलताजनकीलछिरामप्र भातलपावड़ेपौलहरीहै । मैथिलीकेचरणाम्बु

जकीमहिमामहीमंडलबीचभरीहै ॥ १ ॥ जानखपावनगंगप्रभाभरी तीनिहूलोकतरंग सनाथके । जारजभूषनसातहूदीपजुगाजुग आरतवंधुअनाथके ॥ कैसेडरैजमकोलछिरा मधनीधकाधूमिआसाकरेसाथके । तारिहैं तारिबोबानेधरेपदकंजप्रभाभरे श्रीरघुनाथके ॥ २ वेगरजीगरजीरहैंदीनकेजारजभूपरभा गसमेतहै । लालिमाजातलकीलहरैसुभसा रदालोंसबहीपरहेतहैं ॥ पैजकेपूरेप्रतापध नीलछिरामउतारतपारनिकेतहैं । जानकीजा नकीजीवनकेचरणाम्बुजपैभवसागरसेतहैं ॥ सुन्दरीकेनेसिलासुखमै लछिरामजुगाजुगजा अवतारैं । जासुरसारदासंभुसुरेसपुरातनपै जनकासप्रचारैं॥ कैसेडरैजमकोलछिरामतूजा नखपावनगंगसवारैं । जानकीजानकीजीवन कीचरणाम्बुजसाहिबीनेकनिहारैं ॥ ४ ॥ कौ नकथाजमजालिमकीसबआलिमआलेप्रताप अवासमै । वानेचरूंजगमैफहरेरहैंजानषपा

वनगंगाविलासमै । पापपहारहिछारकरैलछि रामउदैतरवारगरासमै ॥ जानकीजानकी जीवनकेपदकंजप्रभाभरेपैजप्रकासमै ॥ ५ ॥

* बरवै *

रामचन्द्रचरणाम्बुजमनकरुध्यान । जीवन जीवनजगजनसुरपतिप्रान ॥ १ ॥ चरणाम्बुज सीतावरजगतजहाज । भवसागरमैराखत सबजनलाज ॥ २ ॥ रामचन्द्रपदपंकज पारसरूप । जापरागकनपरसतरंकसुभूप ॥ ३ ॥ श्रीजानकीचरनरजजगजनजान । जाहिसराहतसुरपतिवेदप्रमान ॥ ४ ॥ रामचन्द्रसिअसुन्दरचरनसरोज ॥ मंगलीकमुदमूरतिमंडितमोज ॥ ५ ॥

* कवित्त *

अधमउधारिवेकीसाकरेउवारिवेकीभौनिधि उतारिवेकीहिंमातिवढ़ीरहै । लछिरामश्रीअव

धरतनसिंहासनतैंलालीतलकौंधैंनखवगरक
ढ़ीरहै । नागनरदेवमौलिमंडितपरागभागमा
लाकारमंडलितमंदरचढ़ीरहै । रावरामचन्द्र
मैथिलीकेचरणाम्बुजकी कीरतिअखंडमहीमं
डलमढ़ीरहै ॥ १ ॥ सारदमहेसअमरेसवरदा
नीवेसतरवासुरंगवालसूरजवगरसे । लछि
रामनखनप्रभालीमंजुमालाकारत्रिभुअनराजैं
भरेगंगाकीलहरसे ॥ चौदहोभुअनराजवंस
नमुकुटमौलिसंगमीवतंसरतनाकेरकलरसे।रा
वरामचन्द्रमैथिलीकेचरणाम्बुजपैंचिरंजीवैचा
रयौजुगचारकल्पतरसे ॥ २ ॥

* छप्पै *

कनकभवनश्रीअवधरतनसिंहासनआसन।
नवलनखनवरजोतिचौदहोभुवनप्रकासन ॥
राजवंसगजरथ्यमौलिमणिमंचसभासन ॥
आरिकरेजनटसालविरदबरनैकमलासन। ल-
छिरामभालदिगपालरजजासुअरुणबारिजव

रन ॥ श्रीरामचन्द्रमैथिलीकेचिरजीवैचारयौ
चरन ॥ ३ ॥ चारयौफलचौदहोरतनदा
नीदिगंतदर । चारुचौदहोभुअनभालभूषन
परागवर ॥ सिंहासनमणिचौकसुमनपावड़े
फरसपर । सप्तदीपनवखंडदेतआसीसमौ
लिधर ॥ लछिरामचतुर्मुखवेदचहुँगनिपुरा
नसीमासुधर । राजेन्द्ररामरघुवीरसिअच
रणाम्बुजजुगाजुगअमर ॥ ४ ॥ मंडितमो-
तिनचौकचारुमणिमंचविराजित । सप्तदीप
नवखंडराजमंडलीसभ्राजित ॥ मंत्रीमित्रअ
नंतसंतसेवकसज्जनवर । सूरवीरसावंतगुणी
पंडितकवींद्रथर ॥ लछिरामलखनसीतासहि
तहनूमानअंगदसुघर ॥ श्रीरामचन्द्रमैथि
लीकेचरणाम्बुजचारयौअमर ॥ ५ ॥ जय
तिदेवदशरथ्थदेविकौसिलासुहावनि । कनक
भवनश्रीअवधलहरसरजूसरिपावनि ॥ जाम
वंतहनुमानभरतलछिमनसत्रुहन । गुरुवासि
ष्ठ अंगदसुकंठकेशरीविभीखन ॥ लछिराम

सुमनसौरभसपथवनप्रमोदआनदगहर । श्री रामचन्द्रमैथिलीकेचरणाम्बुजचारेउ अमर । ६ दोहा ॥ रामचन्द्रभूपालमणिसकलभुअन अवतंसाजापगनखतैंजगतकीमहिमाजगतप्र संस ॥ ७॥ अवधरामरघुवीरसिअसदयगरीब नेवाज । जिनपदकमलपरागरुचिसहसवद-नसुरराज ॥ ८ ॥ अवधरामराजेन्द्रमणिविर चतविरदअभंग । जिनपगनखतैंऔतरीत्रि-भुअनतारनिगंग ॥ ९ ॥ रामचन्द्रश्रीजान कीअवधजुगलसरकार । चरनरावरेकलपत रुहैंलछिरामअधार ॥ १० ॥

चरनचन्द्रिकारामासिअ जोपढ़िहैंकरिनेम । तिनमानसमैंबसहिसिअ रामचन्द्रपदप्रेम ॥

इति श्रीलछिरामविरचितेसिआरमचरन चन्द्रिकाग्रन्थसम्पूर्ण सुभमस्तु ॥